PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a working group set up by the Ministry of recommended setting up of a Public Utilities Commission to oversee the operation of various public utilities from the viewpoint of their meeting the legitimate demand and requirement of their services; and

(b) if so, what is the final outcome and what are the other recommendations of the group?

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI BUTA SINGH): (a) and (b). Yes, Sir, Public Utilities Commission is a new concept for our country and the various ramifications of the proposal have to be considered in depth before arriving at a decision

बंधुआ बाल मजदूर

***293. श्री सत्य प्रकाश मालवीय :**

श्री अनन्तराम जायसवाल :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश भर में बंधुआ बाल मजदूरों की सर्वाधिक संख्या किन-किन राज्यों में है और उनसे अधिकांश किन-किन उद्योगों में कार्यरत हैं और ऐसे बंधुआ बाल मजदूरों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) क्या सरकार द्वारा बंधुआ बाल, मजदूरों को मुक्त करा कर उनके पुनर्वास के लिए अब तक कोई व्यवस्था की गई है ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में विभिन्न उद्योगों में कार्यरत बंधुआ बाल मजदूरों को मुक्त कराने तथा उनके पुनर्वास कल्याण के लिए कोई समयावधि निश्चित की गई है ; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार क्या त्वरित कार्रवाई करने पर विचार कर रही है ?

श्रम मंत्री (श्री पी० एन० संगमा) (क) से (ग) संबंधित राज्य सरकारों द्वारा यथा सूचित विभिन्न राज्यों में अभिज्ञात और पुनर्वासित बंधित बाल श्रमिकों की संख्या निम्नानुसार है :

राज्य का नाम	अभिज्ञात तथा पुनर्वास बंधित बाल श्रमिकों की संख्या
1. आन्ध्र प्रदेश	118
2. बिहार	388
3. उत्तर प्रदेश	341
4. कर्नाटक	75
5. मध्य प्रदेश	545
6. महाराष्ट्र	5
7. हरियाणा	45
8. दिल्ली	7

प्रत्येक राज्य के उन उद्योगों के नाम जिनमें ये बालक बंधुआ हालत में कार्य कर रहे थे उपलब्ध नहीं हैं। तथापि उत्तर प्रदेश राज्य से सूचित बंधुआ बाल श्रमिक कालीन उद्योग में नियोजित थे और दिल्ली में उन्हें निर्माण कामगार के रूप में कार्य करते पाया गया। बालकों को मुक्त करवा दिया गया है। और उनके मात-पिता को सौंप दिया गया है।

ऐसे बंधुआ बाल श्रमिकों को उसके पहचान करने के साथ ही बंधुआ हालत से मुक्त करवा दिया जाता है। केन्द्रीय सरकार की एक केन्द्र प्रायोजित योजना है जिसके अन्तर्गत पहचान किए गए बंधुआ श्रमिकों के पुनर्वास जिनमें बाल बंधुआ श्रमिक भी शामिल हैं, हेतु राज्य सरकारों

को 50:50 आधार पर सहायता प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त, पहचान किये गये बंधुआ श्रमिकों के प्रभावी पुनर्वास हेतु संसाधनों के एकीकरण के लिए राज्य सरकारों को केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत उपलब्ध सहायता को विभिन्न गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के अन्तगत उपलब्ध निधियों के साथ उचित समन्वयन की सलाह दी गई है। कुछ राज्य जसे आन्ध्र प्रदेश बंधुआ बाल श्रमिकों को आश्रम स्कूलों/रिहायशी स्कूलों आदि में प्रवेश देने में प्राथमिकता देते है जहां उन्हें अध्ययन की सुविधाएं प्रदान की जाती है ।

Imports and Exports of commodities

*294. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1999 given in the Rajya Sabha on 27th March, 1995 and state:

(a) the number of commodities imported during the last three years;

(b) the amount of foreign exchange spent thereon during this period;

(c) the number of commodities exported during the last three years: and

(d) what concrete steps are being taken by Government to improve the balance of payment of the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c). For recording the data on foreign trade, India is following an eight digit classification system, known as Indian Trade Classification based on Harmonised Commodity Description and Coding System developed by Customs Cooperation Council (CCC) Brussels. The export-import commodities identified with the ultimate eight-digit level codes of ITC (HS) and counted as such were in the following number during the last three years :

	1992-93	1993-94	1994-95 (April-November)
Export .	8049	8286	8021
Import .	5961	6206	6030

The total imports (estimated by DGCI&S), i.e. foreign exchange value of imports, during the last three years is given below:—

	US$ Million	Rs. Crore
1992-93 . .	21882	63375
1993-94 . . .	23306	73101
1994-95* (April-Feb.) . .	25063	78635

*Provisionl Figures.

(d) Recent years' performance of external sector has vindicated India's balance of payments strategy of pursuing a prudent current account deficit. The country has followed a cautious approach towards full capital account convertibility, maintaining foreign exchange reserves, management of external debt with the objective of discouragement of short-term borrowings, a stable exchange rate, encouragement of foreign direct investment and other flows and, above all, strong export growth.

Decline in Export Growth rate is Comparison to Targetted Growth rate

!295. SHRI J. S. RAJU:
MAULANA OBAIDULLLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 898 given in the Rajya Sabha on 20th March, 1995 and state:

(a) whether export growth rate has declined below the targetted growth rate during the financial year 1994.95;

(b) if so, the details of monthly quarterly growth rate of exports during the years in comparison to the corresponding period for the last year; and